an>

Title: Need to bring a comprehensive legislation for recruitment and promotion of SC/ST employees.

डॉ. उदित राज (उत्तर-पश्चिम दिल्ली) : अध्यक्ष महोदया, माननीय सदस्य ने एम्स का जो मुद्दा उठाया है- शशी मावर का, उससे मैं अवगत हूं और उनसे एसोसिएट करता हूं। माननीय मंत्री जी को भी इसके बारे में अवगत कराया गया था, लेकिन एम्स प्रशासन के ऊपर दबाव बनाने की आवश्यकता है। आए दिन वहां पर डिसक्रिमिनेशन होता है।

आपने आज मुझे जो बोलने का मौका दिया है, मैं अपनी बात की शुरूआत करता हूं वाजपेयी जी की सरकार से।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : यह जीरो आवर है, थोड़े समय में बोलना है।

डॉ. उदित राज : मैडम, मुझे मालूम है, मैं दो मिनट के अंदर ही, उतने ही समय में अपनी बात खत्म कर दूंगा।

मैडम, वाजपेयी जी की सरकार ने बहुत अच्छे कार्य किए। उस समय पूरे देश के कर्मचारी-अधिकारी मेरे नेतृत्व में इकट्ठा होते थे, वर्ष 1997 से 2000 तक और उस समय जब मैं वाजपेयी जी से मिला तो उन्होंने कहा कि करे कौन, भरे कौन अर्थात जो पांच आरक्षण विरोधी आदेश जारी हुए थे, वे गुजराल और देवगौड़ा जी की सरकार के समय में हुए थे। वाजपेयी जी का बड़ा हृदय था, उन्होंने तीन संविधान संशोधन किए, वर्ष 2001 में 85वां संविधान संशोधन हुआ, लेकिन संशोधन का सुप्रीम कोर्ट में घसीटा गया और सुप्रीम कोर्ट की पांच जजेज वाली पीठ के सामने वर्ष 2006 में सुनवाई हुई। इस मामले को नागराज केस के नाम से जाना जाता है। सरकार ने ठीक से पैरवी की, अमेंडमेंट बचा तो जरूर, लेकिन उसमें अगर-मगर लगा दिए गए, जिसकी वजह से तमाम भ्रम पैदा हो गए। उत्तर प्रदेश में लाखों कर्मचारियों का डिमोशन इसी आधार पर हो रहा है। जिस तरह से न्यायपालिका का हस्तक्षेप बढ़ता जा रहा है, चाहे नेशनल जुडिशियल एप्वाइंटमेंट्स कमीशन की बात हूं। मैं पहले भी इस बात को उठा चुका हूं कि गुजरात हाईकोर्ट के जज ने कहा कि आरक्षण और करप्शन देश को बर्बाद कर रहे हैं। उन्होंने आरक्षण और करप्शन की तुलना की है। मैं उनको कहना चाहता हूं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप अपनी बात रखिए।

डॉ. उदित राज : आरक्षण से देश का फायदा हुआ है। इससे दलितों की, गरीबों की क्रय शक्ति बढ़ी है, उन्होंने वस्तुएं खरीदी हैं, जिनसे कारपोरेट हाउसेस डेवलप हुए हैं। इससे धन का उपार्जन हुआ है, देश की जीडीपी बढ़ी है, ग्रोथ रेट बढ़ी है। जो जज महोदय कह रहे हैं कि इससे देश बर्बाद हो रहा है, वह गलत कह रहे हैं। इसलिए मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि ऐसी मानसिकता वाले जजेज पर अंकुश लगाया जाना चाहिए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप अपनी बात कहिए। आप अपनी बात कम्प्लीट कीजिए।

डॉ. उदित राज : मैडम, यह 30 करोड़ जनता का अपमान है, दलितों-आदिवासियों का अपमान है। एक जज का यह कहना कि रिजर्वेशन और करप्शन देश को बर्बाद कर रहे हैं, गलत है। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष :

श्री पी.पी.चौधरी को डॉ. उदित राज द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।